

AE-1008

B.A. Private (Part - I)
Term End Examination, 2016-17

SANSKRIT LITERATURE

Paper - I

नाटक, व्याकरण और अनुवाद

Time : Three Hours]

[Maximum Marks : 75

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं।

इकाई-I

1. अधोलिखित श्लोकों में से किन्हीं दो श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 15

(क) पूर्वत्वयाप्यश्रितमंगतमेवमासी, च्लाध्यं गमिष्यसि
पुनर्विजयेनभर्तुः ।

कालक्रमेणजगतः परिवर्तयाना, चक्रारपंक्रितरिव-
गच्छति भाग्यपंक्तिः ॥

(2)

(ख) दुःखत्यक्तुं बद्धमूलोऽनुरागः, स्मत्वा स्मृत्वा याति
दुःखं नवत्वम्।

यात्रा त्वेषा यद् विमुच्येह वाष्पं, प्राप्ताऽऽनूण्या
याति वुद्धिः प्रसादम्।

(ग) किंवक्ष्यतीति हृदयं परिशङ्कितंमे,
कन्यामयाप्यपहता न च रक्षितां सा।
भाग्यैश्चलैर्यहदवाप्तगुणोपघातः,
पुत्रः पितुर्जनित रोष इवास्मिभीतः ॥

इकाई-II

2. महाराज उदयन की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख
कीजिए। 15

अथवा

स्वप्नवासवदत्तम् नाटक के पंचम अंक की कथावस्तु
अपने शब्दों में लिखिए।

इकाई-III

3. (क) निर्देशानुसार किन्हीं चार शब्दों के रूप
लिखिए : 10
(i) चन्द्रमस् प्रथमा विभक्ति
(ii) लता चतुर्थी विभक्ति

(3)

- (iii) धेनु तृतीया विभक्ति
(iv) मधु पंचमी विभक्ति
(v) जगत् सप्तमी विभक्ति
(vi) युष्मद् द्वितीया विभक्ति
- (ख) निर्देशानुसार किन्हीं चार धातुओं के निर्दिष्ट रूप लिखिए : 10
- (i) पठ् लङ् प्रथमपुरुष
(ii) वद् लोट् मध्यमपुरुष
(iii) दृश् लृट् उत्तमपुरुष
(iv) चुर लङ् प्रथमपुरुष
(v) कष् लट् मध्यमपुरुष
(vi) अस् लोट् उत्तमपुरुष

इकाई-IV

4. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 15
- (क) झल् प्रत्याहार से किन-किन वर्णों का बोध होता है ?
(ख) वृद्धिरादैच् सूत्र का अर्थ स्पष्ट कीजिए।
(ग) सोदाहरण दीर्घसन्धि पर प्रकाश डालिए।

(4)

- (घ) सूत्र निर्देश पूर्वक मध्वरिः प्रयोग को सिद्ध कीजिए।
- (ङ) 'साधकतं करणं' को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।
- (च) विप्रायगां ददाति का सूत्र निर्देशपूर्वक सिद्ध कीजिए।
- (छ) विसर्ग सन्धि को स्पष्ट कीजिए।
- (ज) सुप्तिङन्तं पदं सूत्र का अर्थ लिखिए।

इकाई-V

5. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए : 10
- (क) गाँव के दोनों ओर उद्यान है।
- (ख) दशरथ अयोध्या के राजा थे।
- (ग) सीता गीत गायेगी।
- (घ) आज अवकाश का दिन है।
- (ङ) राम ने वाण से बालि को मारा।
- (च) नर्तकी नृत्य करती है।
- (छ) सत्य की सदा विजय होती है।